(ग) जी हां, मार्च, 1983 में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ था जिसमें गुजरात से खनिज की ढुलाई का ग्रेड ऊंचा करके वरीयता "ई" के स्थान पर "डी" करने का अनुरोध किया गया था।

(घ) केन्द्र अथवा राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित खनिज यातायात किसी सरकारी अधिकारी को सरकारी तौर पर भेजा जाता तो उसे पहले से ही उच्च वरीयता "सी" दी जाती है लेकिन प्राइवेट तौर पर भेजे जाने वाले ऐसे परेषणों को वरीयता "ई" दी जाती है। इसलिए व्यापार लेखे में ऐसे संचलन की वरीयता का ग्रेड ऊंचा करने का कोई औचित्य नहीं है

नाडियाद-मोडेसा-कपडवंज रेल परियोजना

403. **श्री मीर्जा ईर्शादबेग ऐयुबबेग** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि —

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान नाडियाद–मोडेसा–कपडवंज रेल परियोजना पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है ;

(ख) इस पयिोजना का कितना कार्य पूरा हो गया है और इसका अभी कितना कार्य किया जाना है ;

(ग) उन स्थानों के नामों सहित जहां यह कार्य किया गया था, पिछले तीन महीनों के दौरान कितना कार्य किया गया है तथा इस कार्य का ब्यौरा और उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां अभी भी यह कार्य जारी है ; और

(घ) इस परियोजना के कब तक पूरा हो जाने की संभावना है ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) खर्च की गयी कुल राशि :

1982–83	6 लाख रुपये
1983–84	84.4 लाख रुपये

(ख) पूरा किया गया कार्य :

(1) मिट्टी डालने का कार्य . .	13.2 लाख घन मीटर में से 3.13 लाख घन मीटर
(2) पुल	344 में से 28
(3) समग्र प्रगति . . .	8.75 प्रतिशत

(ग) (i) स्थान तथा पिछले 3 महीनों में किया गया कार्य :

(1) भूमि अधिग्रहण— वायेड, धनपुरा तथा दमाई गांवों में 43 हेक्टेयर
मिट्टी डालने का कार्य—बीना, नाडगांव, वायेड, दमाई, रहीयाल तथा भासवाड़ा में 88,000 घन मीटर

(2) चालू वर्ष के दौरान स्थान और कार्य की प्रगति :–

भूमि अधिग्रहण— मोडेसा, वायेड, तथा धनपुरा में 43 हेक्टेयर।

मिट्टी डालने का कार्य—रवीयाल, खोलीखेड, वायेड, दमाई, देशवाडा तथा काशपुरा गांव में 1 लाख घन मीटर।

पुल बीना, नडगांव, भायनेर, नवलपुरा तथा खोलीखेड में 11 प्रस्तावित पुल।

(घ) कार्य का पूरा होना वर्षानुवर्ष पर्याप्त धन राशि के आवंटन पर निर्भर करेगा।